चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 29 सितंबर 2026, अंक –368.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

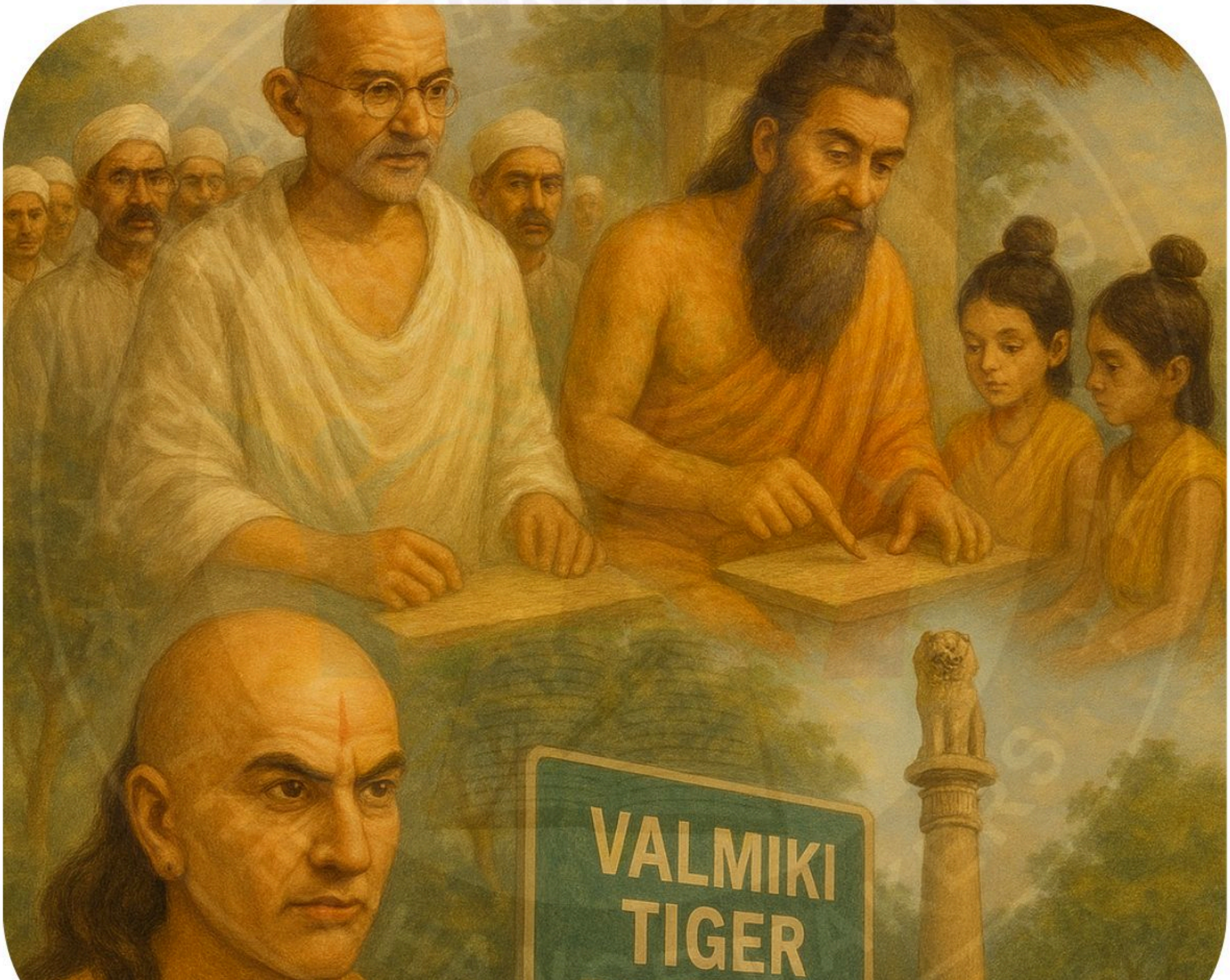

"अंतरात्मा की आवाज ही सर्वोच्च न्यायालय है।"

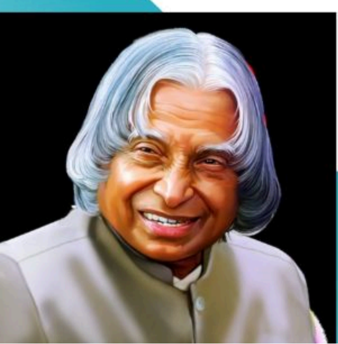

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. किर्गिस्तान की राजधानी क्या है?
उत्तर: बिश्केक
प्रश्न 2. भारत में 'हरित क्रांति' के जनक के रूप में किस वैज्ञानिक को जाना जाता है?
उत्तर: एम. एस. स्वामीनाथन
प्रश्न 3. 'पाइका' किस राज्य का प्रसिद्ध पारंपरिक नृत्य है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 4. 685 रु प्रतिकिलोग्राम की दर से 100 ग्राम इलाइची का मूल्य कितना होगा?
उत्तर: 68 रु. 50 पैसा।
प्रश्न 5. गुरपा हिल बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. किस जीव के तीन हृदय होते हैं?
उत्तर: ऑक्टोपस
प्रश्न 7. माइक्रोवेव ओवन के विकास से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: पर्सी स्पेंसर
प्रश्न 8. धन विधेयक को राज्यसभा अधिकतम कितने दिनों तक रोक सकती है?
उत्तर: 14 दिन
प्रश्न 9. 'जो दूसरों की नकल करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अनुकरणकर्ता
प्रश्न 10. पानी में रखी पेंसिल टेढ़ी दिखाई देने का मुख्य कारण क्या है?
उत्तर: अपवर्तन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Forest - फॉरेस्ट - वन / जंगल
2. Jungle - जंगल - वन / जंगल
3. Waterbody - वॉटरबॉडी - जलाशय
4. Seashore - सीशोर - समुद्र-तट
5. Island - आइलैंड - द्वीप
6. Peninsula - पेनिन्सुला - प्रायद्वीप
7. Waterway - वॉटरवे - जलमार्ग

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “Why am I going to + V1?”
(मैं ... क्यों करने वाला/वाली हूँ?)

मैं आज इतनी जल्दी उठने वाला/वाली क्यों हूँ? – Why am I going to get up so early today?
मैं वहाँ जाने वाला/वाली क्यों हूँ? – Why am I going to go there?
मैं यह किताब खरीदने वाला/वाली क्यों हूँ? – Why am I going to buy this book?
मैं उसे बुलाने वाला/वाली क्यों हूँ? – Why am I going to call him?
मैं आज यह काम करने वाला/वाली क्यों हूँ? – Why am I going to do this work today?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय संघ (WHF) द्वारा हृदय रोगों (CVDs) की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व हृदय दिवस (World Heart Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 29 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व हृदय दिवस' (World Heart Day) मनाया जाता है। इसकी स्थापना 1999 में 'विश्व हृदय संघ' (World Heart Federation) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के सहयोग से की थी। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर होने वाली मौतों के सबसे बड़े कारण — हृदय रोग (Cardiovascular Diseases) और स्ट्रोक के प्रति जागरूकता फैलाना है। यह दिवस नागरिकों को संतुलित आहार लेने, नमक व संतृप्त वसा का सेवन घटाने, धूम्रपान व तंबाकू का त्याग करने और प्रतिदिन नियमित शारीरिक व्यायाम अपनाने हेतु प्रेरित करता है।
संदर्भ: World Heart Federation (WHF) Official Portal; WHO Cardiovascular Diseases Dossier;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के किस प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान द्वारा देश में सेमीकंडक्टर चिप्स की पैकेजिंग और 3D स्टैकिंग हेतु पहली स्वदेशी 'एडवांस्ड पैकेजिंग आरएंडडी लाइन' का शुभारंभ किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (SCL, मोहाली)
व्याख्या: सितंबर 2026 में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत पंजाब के मोहाली स्थित 'सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला' (SCL) में उन्नत चिप पैकेजिंग सुविधा का अनावरण किया गया। यह सुविधा स्वदेशी सिलिकॉन वेफर्स को अत्याधुनिक 2.5D और 3D हेटेरोजेनियस इंटीग्रेशन तकनीक से पैक करने में सक्षम है। उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC), 5G/6G संचार और ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स में चिप्स के आकार को छोटा और उनकी गति को कई गुना बढ़ाने में यह तकनीक मील का पत्थर है, जो भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) की घरेलू क्षमता को पूर्ण बनाती है।
संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास है, जिसमें 1930 के दौर में सामाजिक आडंबर, वेश्याओं के उद्धार, मंदिर-प्रवेश और अमरकांत के माध्यम से किसानों के लगान-मुक्ति सत्याग्रह का विस्तृत आख्यान मिलता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: कर्मभूमि (1932)
व्याख्या: 'कर्मभूमि' (1932) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली सामाजिक और राजनीतिक महाकाव्यात्मक उपन्यास है। इसकी कथा तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के ग्रामीण और शहरी समाज के द्वंद्व को उजागर करती है। उपन्यास का नायक अमरकांत रूढ़िवादी पारिवारिक सुखों का परित्याग कर गाँव की ओर जाता है और दलितों के मानवीय अधिकारों, अछूतोद्धार, मंदिर-प्रवेश तथा किसानों की लगान-बंदी के लिए शांतिपूर्ण सत्याग्रह का नेतृत्व करता है। प्रेमचंद ने इसमें दर्शाया है कि समाज के शोषित और वंचित वर्गों के सामूहिक जागरण से ही राष्ट्र का वास्तविक उत्थान और स्वाधीनता संभव है।

प्र.4. अत्यधिक कृषि अपशिष्ट (पराली) और जीवाश्म ईंधनों के अपूर्ण दहन से उत्पन्न होने वाले उस सूक्ष्म कणिका तत्व को क्या कहा जाता है, जो बर्फ पर गिरकर उसके परावर्तन (एल्बिडो) को घटा देता है और ग्लेशियरों के पिघलने को तेज करता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: ब्लैक कार्बन (Black Carbon / कज्जल)
व्याख्या: ब्लैक कार्बन (Black Carbon) बायोमास, कृषि अवशेषों (पराली), कोयले और डीजल के अपूर्ण दहन से निकलने वाला अत्यंत बारीक कार्बन कण (सूट) है। यह एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक (SLCP) है। जब वायुमंडल में उपस्थित ब्लैक कार्बन के कण हिमालय या ध्रुवीय क्षेत्रों के ग्लेशियरों और बर्फ पर गिरते हैं, तो वे बर्फ की प्राकृतिक परावर्तन क्षमता (Albedo) को काफी कम कर देते हैं। इससे बर्फ सौर विकिरणों को अधिक मात्रा में अवशोषित करने लगती है, जिससे सतह का तापमान बढ़ता है और ग्लेशियर सामान्य से अधिक तीव्र गति से पिघलते हैं। यह क्षेत्रीय जल सुरक्षा और नदी तंत्रों के लिए एक गंभीर पर्यावरणीय संकट है।
संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 407–410;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान झांसी में ब्रिटिश सेनापति सर ह्यूरोज के विरुद्ध अदम्य साहस से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाली वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई का मूल (बचपन का) नाम क्या था? (इतिहास)
उत्तर: मणिकर्णिका तांबे ('मनु')
व्याख्या: रानी लक्ष्मीबाई (19 नवंबर 1828 – 18 जून 1858) भारतीय स्वाधीनता संग्राम की अमर प्रतीक हैं। उनका जन्म वाराणसी के एक मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था और उनका बचपन का नाम 'मणिकर्णिका' (संक्षेप में मनु) था। झांसी के महाराजा गंगाधर राव से विवाह के उपरांत उनका नाम लक्ष्मीबाई रखा गया। 1853 में महाराजा के निधन के बाद लॉर्ड डलहौजी ने 'व्यपगत का सिद्धांत' (Doctrine of Lapse) लगाकर उनके दत्तक पुत्र दामोदर राव को उत्तराधिकारी मानने से इंकार कर दिया और झांसी का विलय कर लिया। रानी ने "मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी" का उद्घोष करते हुए अंग्रेजों से लोहा लिया। 18 जून 1858 को कोटा-की-सराय (ग्वालियर) में ब्रिटिश सेनापति ह्यूरोज के विरुद्ध लड़ते हुए वे वीरगति को प्राप्त हुईं। ह्यूरोज ने स्वीकार किया था कि "यहाँ वह अकेली सोई है, जो विद्रोहियों में एकमात्र मर्द थी।"
संदर्भ: [illegible] करती है: 1857 और

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. अरब सागर में समानांतर रूप से विस्तृत पश्चिमी तटीय मैदान का वह दक्षिणी भाग कौन-सा है, जो अपने पश्चजल (Backwaters) या 'कयाल' (Kayals) तथा वेम्बनाड झील के लिए प्रसिद्ध है? (भूगोल)

उत्तर: मालाबार तट (Malabar Coast)

व्याख्या: भारत के पश्चिमी तटीय मैदान के सुदूर दक्षिणी भाग को, जो मुख्य रूप से केरल राज्य में स्थित है, 'मालाबार तट' कहा जाता है। यह तट उत्तर में गोवा से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। इस तट की सबसे विशिष्ट भौगोलिक पहचान यहाँ पाए जाने वाले अनूठे लैगून और पश्चजल (Backwaters) हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'कयाल' (Kayals) कहा जाता है। भारत की सबसे लंबी झील 'वेम्बनाड झील' और 'अष्टमुडी झील' इसी तट पर स्थित हैं। यहाँ प्रतिवर्ष ओणम के अवसर पर विख्यात 'नेहरू ट्रॉफी नौका दौड़' (वल्लमकली) का आयोजन इन्हीं कयाल जलमार्गों में किया जाता है, जो स्थानीय मत्स्य पालन, अंतर्देशीय नौपरिवहन और पर्यटन का मुख्य आधार हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 13–

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति को संसद के दोनों सदनों के सत्रावसान की अवधि में 'अध्यादेश' (Ordinance) प्रख्यापित करने की असाधारण विधायी शक्ति प्रदान की गई है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 123 (President's Ordinance Power)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में संघ की कार्यपालिका के अंतर्गत 'अनुच्छेद 123' राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति देता है। यह शक्ति केवल तब प्रयुक्त की जा सकती है जब संसद के दोनों सदनों में से किसी एक या दोनों का सत्र न चल रहा हो, और राष्ट्रपति का यह समाधान हो जाए कि ऐसी तात्कालिक परिस्थितियाँ विद्यमान हैं जिनमें तुरंत कार्रवाई करना आवश्यक है। राष्ट्रपति द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश का वही विधिक बल और प्रभाव होता है जो संसद द्वारा पारित अधिनियम का होता है। हालांकि संसद का पुनः सत्र शुरू होने पर 6 सप्ताह के भीतर इसे संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाना अनिवार्य है, अन्यथा यह स्वतः निष्प्रभावी हो जाता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 123; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 4 "कार्यपालिका", p. 87–90;

प्र.8. किसी माध्यम के निर्वात के सापेक्ष प्रकाश मोड़ने की क्षमता को व्यक्त करने वाले अनुपात (निर्वात में प्रकाश की चाल / माध्यम में प्रकाश की चाल) को क्या कहा जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: निरपेक्ष अपवर्तनांक (Absolute Refractive Index)

व्याख्या: प्रकाशिकी में किसी पारदर्शी माध्यम का 'निरपेक्ष अपवर्तनांक' (Absolute Refractive Index) उस माध्यम में प्रकाश के संचरण वेग की माप प्रस्तुत करता है। इसे प्रतीक 'n' से व्यक्त किया जाता है। गणितीय सूत्र: $n = c / v$, जहाँ c निर्वात में प्रकाश की चाल ($3 \times 10^8\text{ m/s}$) तथा v उस विशिष्ट माध्यम में प्रकाश की चाल है। अपवर्तनांक दो समान राशियों (चालों) का अनुपात होने के कारण एक मात्रक-हीन (Unitless) और विमाहीन संख्या है। निर्वात का अपवर्तनांक 1 होता है, वायु का 1.0003, जल का 1.33 तथा हीरे का अपवर्तनांक 2.42 (सर्वाधिक) होता है। जिस माध्यम का अपवर्तनांक जितना अधिक होता है, वह उतना ही अधिक प्रकाशिक सघन (Optically Denser) होता है और उसमें प्रकाश की चाल उतनी ही धीमी हो जाती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश- परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 167–190;

प्र.9. 16वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के सम्राट अच्युत देव राय के शासनकाल में आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में निर्मित वह कौन-सा विख्यात मंदिर है, जो अपने 'झूलते खंभे' (Hanging Pillar) और विशाल नंदी प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: लेपाक्षी वीरभद्र मंदिर (Lepakshi Temple)

व्याख्या: लेपाक्षी का वीरभद्र मंदिर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित विजयनगर स्थापत्य शैली का एक अद्भुत और विस्मयकारी स्मारक है। इसका निर्माण 16वीं शताब्दी (लगभग 1530 ईस्वी) में विजयनगर के शासक अच्युत देव राय के काल में विरूपाण्णा और वीरणा नामक दो भाइयों ने कराया था। यह मंदिर भगवान शिव के उग्र रूप 'वीरभद्र' को समर्पित है। इस मंदिर की सबसे बड़ी तकनीकी विशेषता इसका 'हैंगिंग पिलर' (झूलता हुआ स्तंभ) है, जो छत से जुड़ा है किंतु फर्श को स्पर्श नहीं करता; श्रद्धालु इसके नीचे से कपड़ा आर-पार निकाल सकते हैं। मंदिर परिसर के समीप ग्रेनाइट के एक ही विशाल शिलाखंड को तराशकर बनाई गई भारत की सबसे बड़ी एकाश्म नंदी प्रतिमाओं में से एक स्थित है। इसकी छतों पर रामायण और महाभारत के प्रसंगों के सजीव भित्ति चित्र उकेरे गए हैं।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 7 "मध्यकालीन स्थापत्य एवं चित्रकला";

प्र.10. 1916 में बिहार के किसानों, वकीलों और बुद्धिजीवियों की राजनीतिक चेतना को दिशा देने तथा चंपारण सत्याग्रह की पृष्ठभूमि तैयार करने हेतु 'बिहार प्रांतीय सम्मेलन' का 8वां अधिवेशन किस शहर में हुआ था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: छपरा (सारण जिला)

व्याख्या: 1916 में बिहार प्रांतीय सम्मेलन (Bihar Provincial Conference) का 8वां वार्षिक अधिवेशन सारण जिले के मुख्यालय 'छपरा' में आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन की अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता मि. किरानी ने की थी। यह अधिवेशन बिहार के राजनीतिक इतिहास में अत्यंत निर्णायक सिद्ध हुआ क्योंकि इसमें चंपारण के नील किसानों पर यूरोपीय कोठीवालों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और तिनकठिया प्रथा पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसी अधिवेशन के प्रस्तावों से प्रेरित होकर चंपारण के किसान पंडित राजकुमार शुक्ल और ब्रजकिशोर प्रसाद दिसंबर 1916 के लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में पहुंचे, जहाँ उन्होंने महात्मा गांधी से मिलकर उन्हें चंपारण की व्यथा स्वयं देखने का औपचारिक निमंत्रण दिया था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; NCERT Modern

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि पानी में डूबते व्यक्ति को सुरक्षित किनारे निकाल लिया जाए किंतु उसका पेट पानी से अत्यधिक फूला हो और सांस रुकी हो, तो फेफड़ों से पानी बाहर निकालने के लिए कौन-सी प्राथमिक मुद्रा (Recovery Position) में लिटाना चाहिए और पेट दबाने से क्यों बचना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: करवट के बल लिटाना (रिकवरी पोजीशन); पेट दबाने से उल्टी का पानी फेफड़ों में जाने का घातक खतरा

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W4: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिक चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार: (1) पानी से बाहर निकाले गए बेहोश व्यक्ति के पेट को जोर-जोर से दबाने की पारंपरिक गलती कदापि न करें; पेट पर अत्यधिक दबाव डालने से पेट के भीतर का दूषित पानी और अमाशयी भोजन उल्टी के रूप में बाहर आकर श्वासनली (Trachea) में फंस सकता है, जिससे फेफड़ों में संक्रमण (Aspiration Pneumonia) या तत्काल दम घुटने से मृत्यु हो सकती है; (2) व्यक्ति को तुरंत एक करवट लिटाकर 'रिकवरी पोजीशन' (Recovery Position) में रखें, जिसमें उसका मुंह जमीन की ओर नीचे झुका हो ताकि मुंह और नाक से अतिरिक्त पानी और लार गुरुत्वाकर्षण के कारण स्वतः बाहर बह जाए; (3) यदि व्यक्ति की नब्ज और सांस दोनों पूरी तरह बंद हों, तो बिना समय गंवाए उसे सीधा पीठ के बल समतल जमीन पर लिटाकर तुरंत सीपीआर (छाती पर 30 बार तेज दबाव और 2 बार कृत्रिम सांस) देना शुरू करें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W4 — "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी"; International Life Saving Federation (ILS) Drowning Resuscitation Guidelines;

प्र.12. 100 मीटर लंबी एक रेलगाड़ी 30 किमी/घंटा की गति से चल रही है। रेलवे लाइन के समीप खड़े एक टेलीफोन के खंभे को पूरी तरह पार करने में उस रेलगाड़ी को कुल कितने सेकंड का समय लगेगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 12 सेकंड

व्याख्या: यह 'चाल, समय और दूरी' पर आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मानक अंकगणितीय प्रश्न है।
जब कोई रेलगाड़ी किसी खंभे, सिग्नल पोस्ट या खड़े व्यक्ति को पार करती है, तो उसके द्वारा तय की गई कुल दूरी स्वयं उस रेलगाड़ी की लंबाई के बराबर होती है।, यहाँ कुल दूरी (d) = 100 मीटर।, रेलगाड़ी की चाल (s) = 30 किमी/घंटा।
चाल को किलोमीटर प्रति घंटा (km/h) से मीटर प्रति सेकंड (m/s) में बदलने हेतु 5/18 से गुणा करते हैं:, चाल = 30 * (5 / 18) = (5 * 5) / 3 = 25/3 मीटर/सेकंड।, अब, खंभे को पार करने में लगा समय (t) = दूरी / चाल।, मान प्रतिस्थापित करने पर: समय = 100 / (25 / 3) = (100 * 3) / 25, समय = 4 * 3 = 12 सेकंड।, अतः वह रेलगाड़ी उस टेलीफोन के खंभे को ठीक 12 सेकंड में पूरी तरह पार कर लेगी।, (जाँच: 12 सेकंड में 25/3 मीटर/सेकंड की चाल से तय दूरी = 12 * (25 / 3) = 4 * 25 = 100 मीटर, जो रेलगाड़ी की सटीक लंबाई है)।, संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात",

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

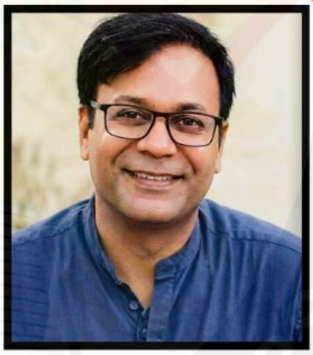

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abrogate (ऐब्रोगेट) = Repeal (रिपील) = रद्द करना / समाप्त करना
    Antonym – Enact (इनैक्ट) = कानून बनाना / लागू करना
2. Didactic (डाइडैक्टिक) = Instructive (इन्स्ट्रक्टिव) = शिक्षाप्रद / उपदेशात्मक
    Antonym – Uninformative (अनइन्फॉर्मेटिव) = जानकारी न देने वाला
3. Obstreperous (ऑब्स्ट्रेपरस) = Unruly (अनरूली) = उद्दंड / शोरगुल करने वाला / अनियंत्रित
    Antonym – Obedient (ओबीडिएन्ट) = आज्ञाकारी / अनुशासित
4. Prosaic (प्रोज़ेइक) = Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण / नीरस / कल्पनाहीन
    Antonym – Imaginative (इमैजिनेटिव) = कल्पनाशील / रचनात्मक
5. Tranquil (ट्रैंक्विल) = Peaceful (पीसफुल) = शांत / शांतिपूर्ण / स्थिर
    Antonym – Agitated (ऐजिटेटेड) = व्याकुल / उत्तेजित

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Union Minister Lalan Singh launches Livestock Insurance Portal on September 28; aims to protect farmers from animal loss
हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्री लालन सिंह ने 28 सितंबर को पशुधन बीमा पोर्टल लॉन्च किया; पशु हानि से किसानों की रक्षा का लक्ष्य।�
पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लालन सिंह ने 28 सितंबर को नई दिल्ली में पशुधन बीमा पोर्टल लॉन्च किया। यह पोर्टल किसानों को पशु हानि से होने वाले वित्तीय नुकसान से बचाएगा और बीमा कवरेज को सुलभ बनाएगा। UPSC/BPSC के लिए: Livestock Insurance — पशुधन बीमा; Ministry of Fisheries, Animal Husbandry & Dairying — मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय; Agricultural insurance — कृषि बीमा।

Indian Armed Forces contingent departs for joint military exercise KAZIND-2026 with Kazakhstan
हिन्दी अनुवाद: भारतीय सशस्त्र बलों का दल कजाकिस्तान के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास KAZIND-2026 के लिए रवाना हुआ।�
भारतीय सेना का एक दल कजाकिस्तान में होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास KAZIND-2026 के लिए रवाना हुआ है। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा और आतंकवाद विरोधी अभियानों में सहयोग बढ़ाएगा। UPSC/BPSC के लिए: KAZIND — भारत-कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास; Indian Army — भारतीय सेना; Counter-terrorism — आतंकवाद विरोधी।

PM Modi highlights youth-led momentum of Nasha Mukt Yuva Abhiyan; calls for drug-free India by 2030
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने नशा मुक्त युवा अभियान की युवा-नेतृत्व वाली गति को रेखांकित किया; 2030 तक नशा मुक्त भारत का आह्वान किया।�
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशा मुक्त युवा अभियान की सराहना की और युवाओं से नशे के खिलाफ लड़ाई में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने 2030 तक नशा मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। UPSC/BPSC के लिए: Nasha Mukt Bharat Abhiyan — नशा मुक्त भारत अभियान; Ministry of Social Justice — सामाजिक न्याय मंत्रालय; Drug abuse — नशाखोरी।

INTERNATIONAL NEWS

Trump rejects Iran's 7-day truce proposal as 'cynical'; expects talks to resume in coming week despite stalemate
हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प ने ईरान के 7-दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को 'कपटी' कहा; गतिरोध के बावजूद आने वाले सप्ताह में वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीद।�
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 7-दिन के युद्धविराम और होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के प्रस्ताव को "कपटी" और "अस्वीकार्य" करार दिया। हालाँकि, उन्होंने Axios को बताया कि वे आने वाले सप्ताह में ईरान के साथ वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीद करते हैं। ईरानी अधिकारी अभी भी अमेरिकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे हैं। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; US-Iran talks — अमेरिका-ईरान वार्ता; Ceasefire — युद्धविराम।

Iran stands by conditions for reopening Hormuz; will make no nuclear concessions even if US accepts proposal
हिन्दी अनुवाद: ईरान होर्मुज़ खोलने की शर्तों पर कायम; US प्रस्ताव स्वीकार भी करे तो परमाणु रियायतें नहीं देगा।�
ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को खोलने के लिए ईरान अपनी शर्तों पर कायम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि US प्रस्ताव स्वीकार भी करता है तो भी ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई रियायत नहीं देगा। जलडमरूमध्य तब तक बंद रहेगा जब तक US नौसैनिक नाकाबंदी नहीं हटाता और तेल प्रतिबंध वापस नहीं लेता। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; Nuclear programme — परमाणु कार्यक्रम; US sanctions — अमेरिकी प्रतिबंध।

UNGA; calls for stronger protection of Gulf shipping
हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब ने UNGA में ईरान, हूतियों की निंदा की; खाड़ी शिपिंग की मजबूत सुरक्षा का आह्वान किया।�
सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में ईरान और हूति विद्रोहियों की निंदा की और खाड़ी क्षेत्र में शिपिंग की मजबूत सुरक्षा का आह्वान किया। सऊदी ने कहा कि मध्य पूर्व जलमार्गों को अवरुद्ध करने का प्रयास वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; GCC — खाड़ी सहयोग परिषद; Houthi rebels — हूति विद्रोही।

BIHAR NEWS

Bihar floods: CM Samrat Choudhary conducts aerial survey of Gandak river; water levels receding in Ganga but Kosi still above danger mark
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: CM सम्राट चौधरी ने गंडक नदी का हवाई सर्वे किया; गंगा में जलस्तर घट रहा है लेकिन कोसी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर। �
बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वे किया। गंगा और गंडक में जलस्तर घटने लगा है, लेकिन कोसी नदी बालतारा और कुरसेला में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 15 जिलों में लगभग 49.72 लाख लोग प्रभावित हैं। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; Flood management — बाढ़ प्रबंधन।

Bihar received 28% below normal rainfall from June to September; crop damage assessment underway
हिन्दी अनुवाद: बिहार को जून से सितंबर तक 28% कम वर्षा मिली; फसल क्षति का आकलन जारी।
आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बिहार को 1 जून से 21 सितंबर तक 658.2 मिमी वर्षा मिली है जो सामान्य 899.4 मिमी से 28% कम है। कृषि अधिकारी फसल क्षति का आकलन कर रहे हैं और सिंचाई के लिए डीजल सब्सिडी वितरित कर रहे हैं। UPSC/BPSC के लिए: IMD — भारतीय मौसम विज्ञान विभाग; Monsoon deficit — मानसून कमी; Agricultural distress — कृषि संकट।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India's medal tally reaches 39 (4 gold, 17 silver, 18 bronze); Esha Singh wins silver in women's 25m pistol
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत का पदक tally 39 पहुंचा (4 स्वर्ण, 17 रजत, 18 कांस्य); एशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में रजत जीता।
भारत ने एशियाई खेल 2026 के नौवें दिन अपना पदक tally 39 तक पहुंचाया — 4 स्वर्ण, 17 रजत और 18 कांस्य। एशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत फाइनल में रजत पदक जीता। लवलीना बोरगोहिन ने महिलाओं की 75 किग्रा बॉक्सिंग क्वार्टरफाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर कम से कम कांस्य पदक पक्का किया। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; ISSF — अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; Boxing — मुक्केबाजी।

Men's Cricket: India beats Afghanistan by 6 wickets in quarterfinal; enters semifinals to defend gold
हिन्दी अनुवाद: पुरुष क्रिकेट: भारत ने क्वार्टरफाइनल में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया; स्वर्ण रक्षा के लिए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।
श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाई खेल 2026 के क्वार्टरफाइनल में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार उसकी रक्षा का लक्ष्य है। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल; T20I — Twenty20 International; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:

अपने मन को इतना गहरा और विस्तृत बनाइए कि बाहर की दुनिया की हलचलें आपको हिला न सकें। जब आप दूसरों की राय और बाज़ार की चकाचौंध से अप्रभावित रहकर अपने मूल्यों पर टिके रहते हैं, तभी आपको स्थायी मानसिक शांति मिलती है।

प्रेरक प्रसंग

अपमान का उपहार

एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ एक गाँव से गुजर रहे थे। उनके आने की खबर सुनकर एक व्यक्ति वहाँ पहुँचा। वह बुद्ध से बहुत नाराज़ था। उसने बिना किसी कारण उन्हें अपशब्द कहने शुरू कर दिए।

बुद्ध शांत खड़े रहे। उनके चेहरे पर न क्रोध था, न बेचैनी। शिष्य यह देखकर हैरान थे कि इतनी कठोर बातें सुनकर भी बुद्ध बिल्कुल शांत कैसे रह सकते हैं।

कुछ देर बाद वह व्यक्ति थक गया। बुद्ध ने सहजता से पूछा, "भाई, यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे को उपहार दे और वह व्यक्ति उस उपहार को लेने से मना कर दे, तो वह उपहार किसके पास रहेगा?"

उस व्यक्ति ने कहा, "जिसने दिया है, उसी के पास।"

बुद्ध मुस्कुराए और बोले, "ठीक उसी तरह, तुमने मुझे क्रोध और अपमान का उपहार दिया, लेकिन मैंने उसे स्वीकार नहीं किया। इसलिए वह तुम्हारे पास ही रह गया।"

वह व्यक्ति कुछ क्षण चुप रहा। उसे अपने शब्दों का अर्थ पहली बार समझ आया।

बुद्ध ने उसे दोषी ठहराने के बजाय कहा, "क्रोध में बोले गए शब्द पहले उसी मन को जलाते हैं, जिसमें वे पैदा होते हैं। यदि सामने वाला उन्हें स्वीकार न करे, तो वे आगे नहीं बढ़ते।"

उस व्यक्ति का सिर झुक गया। जिस मन में कुछ देर पहले क्रोध भरा था, वहाँ अब पश्चाताप था।

वह बुद्ध के चरणों में बैठ गया।

बुद्ध ने उसे उठाया और कहा, "दूसरों के व्यवहार पर हमारा नियंत्रण नहीं, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया पर हमारा अधिकार जरूर है।"

प्रेरक सीख:

हर अपमान को अपने भीतर जगह देना जरूरी नहीं। दूसरों का क्रोध तभी हमारा बनता है, जब हम उसे अपने मन में स्वीकार कर लेते हैं।

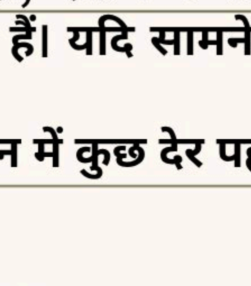

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-8

सोचो... समझो... हल करो...

9	4							2
		1		2	6			
	6		9			5		
2		8	7					
7					9			
				8			3	6
6				3				
	1	9						
			8				2	

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"आज का कार्य कल पर मत टालो।"

— लोकोक्ति

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	4	7	5	1	8	3	6	2
5	8	1	3	2	6	9	4	7
3	6	2	9	7	4	5	8	1
2	5	8	7	6	3	1	9	4
7	3	6	1	4	9	2	5	8
1	9	4	2	8	5	7	3	6
6	2	5	4	3	7	8	1	9
8	1	9	6	5	2	4	7	3
4	7	3	8	9	1	6	2	5

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 2, श्लोक 70

आपूर्यमाणमचलप्रतिष्ठं समुद्रमापः प्रविशन्ति यद्वत्।

तद्वत्कामा यं प्रविशन्ति सर्वे स शान्तिमाप्नोति न कामकामी॥

सरल हिन्दी अर्थ:

जिस प्रकार सब ओर से जल से परिपूर्ण, अचल और अपनी मर्यादा में स्थित रहने वाले महासागर में चारों तरफ से नदियाँ आकर विलीन हो जाती हैं, फिर भी समुद्र अपनी सीमा नहीं तोड़ता और शांत रहता है—उसी प्रकार जिस संयमी व्यक्ति के भीतर सभी सांसारिक इच्छाएँ और विषय-भोग बिना कोई हलचल मचाए शांत भाव से समा जाते हैं, वही सच्ची शांति पाता है; इच्छाओं के पीछे भागने वाला 'कामकामी' कभी शांति नहीं पा सकता।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ मन की तुलना महासागर (Ocean) से करते हैं। यह श्लोक बताता है कि वास्तविक शांति इच्छाओं के अभाव में नहीं, बल्कि मन की असीमित गहराई और स्थिरता में है।

- पोखर बनाम महासागर की मानसिकता: एक छोटा गड्ढा या पोखर बारिश की दो बूंदों से उफन जाता है और थोड़ी-सी धूप में सूख जाता है। लेकिन विशाल समुद्र में सैकड़ों नदियाँ लगातार जल उंडेलती हैं, फिर भी वह अपनी मर्यादा नहीं लांघता। हमारी मानसिकता कैसी है—छोटी-छोटी बातों पर उफनने वाले पोखर जैसी, या अचल महासागर जैसी?
- इच्छाओं का अंतहीन चक्र: आधुनिक उपभोक्तावादी दौर (Consumer Culture) हमें लगातार यह सिखाता है कि हर नई चीज़ खरीदने या पाने से शांति मिलेगी। गीता कहती है कि जो व्यक्ति हर नई इच्छा का पीछा करेगा, वह हमेशा बेचैन रहेगा। शांति पाने का मार्ग इच्छाओं को पूरा करते जाना नहीं, बल्कि उनके प्रवाह के बीच स्वयं को स्थिर रखना है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रवाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

गुरिल्ला युद्ध के महारथी: अमर सेनानी तात्या टोपे

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे जादूगर जैसे सेनापति की कहानी सुनी है, जो पलक झपकते ही दुश्मनों की आँखों के सामने से ओझल हो जाता था और हवा की तरह आकर अंग्रेज़ी सेना पर कहर बनकर टूट पड़ता था? आज हम 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के एक ऐसे ही अजेय नायक की शौर्यगाथा सुनेंगे, जिनका नाम सुनते ही अंग्रेज़ जनरलों के माथे पर पसीना आ जाता था। वे थे अमर क्रांतिकारी तात्या टोपे! तात्या टोपे का जन्म वर्ष 1814 में महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के येवला गाँव के एक कुलीन देशस्थ ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम पंडित पांडुरंग राव टोपे था, जो पेशवा बाजीराव द्वितीय के अत्यंत विश्वासपात्र और धर्मार्थ विभाग के प्रमुख थे। उनकी माता का नाम रुक्मणी बाई था, जो अत्यंत दयालु, संस्कारी और ममतामयी महिला थीं। माता-पिता ने बालक का नाम 'रामचंद्र पांडुरंग येवलकर' रखा था, पर घर में सब उन्हें लाड़ से 'तात्या' कहकर पुकारते थे।

जब पेशवा बाजीराव द्वितीय को कानपुर के पास बिठूर भेज दिया गया, तो तात्या का परिवार भी बिठूर आ गया। बिठूर के राजमहल के खुले मैदानों में नन्हे तात्या ने नाना साहब और नन्ही मनु (झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई) के साथ बचपन बिताया। वहीं उन्होंने तलवारबाज़ी, बंदूक चलाना, तीरंदाज़ी और घुड़सवारी की गहरी शिक्षा ली। एक बार पेशवा बाजीराव द्वितीय ने उनकी अद्भुत युद्ध-कुशलता और स्वामीभक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें रत्नों से जड़ी एक बहुमूल्य 'टोपी' उपहार में दी। बस, उसी दिन से सब उन्हें आदर से 'तात्या टोपे' कहने लगे।

जब 1857 में अंग्रेज़ों के अत्याचारों के खिलाफ बगावत की ज्वाला भड़की, तो तात्या टोपे ने नाना साहब के मुख्य सेनापति के रूप में कमान संभाली। उन्होंने कानपुर में अंग्रेज़ फौज को कई बार पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। जब झाँसी में रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेज़ी सेना से घिर गईं, तो तात्या टोपे अपनी सेना लेकर रानी की मदद के लिए बिजली की फुर्ती से कालपी पहुँच गए। रानी लक्ष्मीबाई के साथ मिलकर उन्होंने अंग्रेज़ों से ग्वालियर का अभेद्य किला छीन लिया। रानी लक्ष्मीबाई की शहादत के बाद भी इस अकेले वीर ने हार नहीं मानी।

उन्होंने विंध्याचल और सतपुड़ा के घने जंगलों, बीहड़ों और नदियों के बीच अंग्रेज़ों के खिलाफ 'गुरिल्ला युद्ध' (छापामार युद्ध) छेड़ा। वे इतने चतुर रणनीतिकार थे कि अंग्रेज़ों के बड़े-बड़े जनरल अपनी विशाल सेना लेकर महीनों तक उन्हें चारों तरफ से घेरने की कोशिश करते रहे, लेकिन तात्या टोपे हमेशा उनकी आँखों में धूल झोंककर सुरक्षित निकल जाते थे। उन्होंने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कोने-कोने में घूमकर आज़ादी की अलख जगाए रखी।

अंग्रेज़ सरकार उन्हें सीधे युद्ध में कभी नहीं पकड़ पाई। अंततः नरवर के एक लालची राजा मानसिंह के धोखे के कारण, जब तात्या जंगल में गहरी नींद में सो रहे थे, अंग्रेज़ सिपाहियों ने उन्हें घेरकर बंदी बना लिया। अंग्रेज़ अदालत में जब उन पर मुकदमा चला, तो इस निर्भीक सेनापति ने गर्व से सीना तानकर कहा—"मैंने केवल अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी तलवार उठाई है, मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है।" 18 अप्रैल 1859 को मध्य प्रदेश के शिवपुरी में इस वीर सपूत ने हँसते-हँसते फाँसी के फंदे को चूम लिया। प्यारे बच्चों, तात्या टोपे का पावन जीवन हमें सिखाता है कि संकट चाहे कितना भी गहरा हो, हमें कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और मातृभूमि की सेवा में सदा समर्पित रहना चाहिए।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

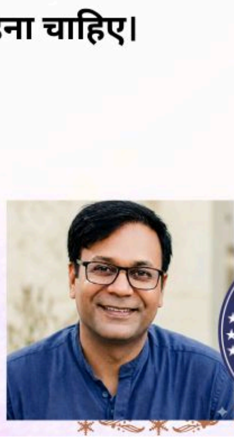

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:

अपने मन को इतना गहरा और विस्तृत बनाइए कि बाहर की दुनिया की हलचलें आपको हिला न सकें। जब आप दूसरों की राय और बाज़ार की चकाचौंध से अप्रभावित रहकर अपने मूल्यों पर टिके रहते हैं, तभी आपको स्थायी मानसिक शांति मिलती है।

(गीता -२/७०)

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org